



PG-5

आधुनिक समाचार



PG-5

सिनेमा-दिल्ली का स्पेशल खाना देख कुछ यूँ खिल उठा श्रीवल्ली का चेहरा देखिए क्या-क्या किया ऑर्डर

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -08 अंक -170

प्रयागराज, सोमवार, 19 सितम्बर, 2022

पृष्ठ- 8

मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में समय पर ही होंगे आम चुनाव पीएम शहबाज ने की भाई नवाज शरीफ के साथ मैराथन बैठक इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ देश में होने वाले अगले आम चुनाव को निर्धारित समय पर कराने पर सहमत हो गए हैं। स्थानीय मीडिया ने इस बात की जानकारी दी है। जियो



न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शरीफ बंधुओं ने लंदन में एक बैठक की है, जहां दोनों नेताओं ने देश में होने वाले अगले आम चुनाव के बारे में बात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की है कि वर्तमान गठबंधन सरकार अपना संवैधानिक कार्यकाल पूरा करेगी। बता दें कि पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ दिवात महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए लंदन में मौजूद हैं। इसी दौरान पीएम शहबाज ने अपने भाई नवाज शरीफ के साथ साढ़े तीन घंटे की लंबी बैठक की और देश से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने चार साल की मादा चीता का नाम 'आशा' रखा

(आधुनिक समाचार सेवा) वालियर। नामीबिया से शनिवार को कूनो नेशनल पार्क लाए गए चीतों में से चार वर्ष की मादा चीता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आशा नाम

लारी मार्कर ने समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए कहा कि नामीबिया से आने वाले वर्षों में और अधिक चीते भारत भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा कि चीतों की

निर्भर है कि हम जागरूक रहें। हम ही पृथ्वी को, खुद को और चीता को बचा सकते हैं। नामीबिया से चीते आने के बाद श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में सबसे पहले



दिया है। कूनो प्रबंधन के अनुसार यह मादा चीता जल्द ही प्रजनन योग्य हो जाएगी और यहां चीते की वंशवृद्धि होगी। इसीलिए पीएम मोदी ने इसे आशा नाम दिया है। कूनो प्रबंधन का कहना है कि जल्द ही अन्य चीतों के नाम उनके स्वभाव के अनुसार रखे जाएंगे। लारी मार्कर नामीबिया से भारत तक चीतों को लाने में समन्वय करने वाली चीता संरक्षण कोष की कार्यकारी निदेशक

आबादी बढ़ाने के लिए और अधिक संख्या में इन्हें लाना होगा। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच भी इस दिशा में प्रयास जारी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि चीते को बचाने का अर्थ है, दुनिया को बदलना। भारत में 70 साल पहले चीते विलुप्त हो गए थे। उनके विलुप्त होने की वजह मानव रहे थे और अब उनका अस्तित्व भी मानव के हाथों में ही है। यह हम सभी पर

पर्यटक के तौर पर देश के पूर्व चीफ जस्टिस शरद अरविंद बोबई पहुंचे। उन्होंने ही अफ्रीका से भारत चीते लाने की योजना पर लगी रोक हटाई थी। श्योपुर जिला प्रशासन का कहना है कि चीतों के क्वारंटाइन अवधि में होने के कारण पूर्व चीफ जस्टिस को बाड़े के पास नहीं जाने दिया गया। चीता देखने के लिए पर्यटकों को दो अक्टूबर तक इंतजार करना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी भारतीय भाषाओं को दी गई राष्ट्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता

(आधुनिक समाचार सेवा)

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्र प्रधान ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 सभी भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा



कि देश में वैश्विक स्तर पर समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने की ज्ञान क्षमता है। उद्यमिता और कौशल विकास मंत्रालय भी देख रहे प्रधान ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति महत्वपूर्ण सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ मातृभाषा के सकारात्मक प्रभाव को पहचानती है। प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि तमिल सहित सभी भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय भाषाएं हैं।

प्रधान ने विश्वविद्यालय से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के पथ प्रदर्शक बनने की भी अपील की। उन्होंने कहा, ठनीति अपने भविष्यवादी दृष्टिकोण और भारतीय लोकाचार में निहित है और भारतीय भाषाओं पर जोर देने के साथ वैश्विक

नागरिक बनाने के लिए एक दार्शनिक दस्तावेज है। तमिलनाडु की कला और संस्कृति को समृद्ध बताते देते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य एक ऐसा समाज रहा है जिसने प्राचीन काल से कला, वास्तुकला, संगीत, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में चमत्कार किए हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडू, ओडिशा की तरह, वास्तुकला को उत्कृष्टता और भव्यता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी का तमिल संस्कृति और लोगों के प्रति बहुत सम्मान और आत्मीयता है।

माकपा महासचिव ने साधा भाजपा पर निशाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

हैदराबाद। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने रविवार को भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा और लोगों के अधिकारों की गारंटी के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर रखा जाना चाहिए। हैदराबाद लिबरेशन में भागवा पार्टी की भूमिक पीटीआई के अनुसार, पत्रकारों से बातचीत करते हुए येचुरी ने कहा



कि हैदराबाद लिबरेशन में भागवा पार्टी की कोई भूमिका नहीं है और वह इतिहास को विकृत करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आगे एक प्रश्न के उत्तर में कहा, 'यदि आप भारत को एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में बचाना चाहते हैं, यदि आप भारतीय संविधान की रक्षा करना चाहते हैं और लोगों को गारंटीकृत अधिकार प्रदान किए जाते हैं, यदि मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि

साझा एजेंडे में लाने की पहल है। येचुरी ने बताया कि भाजपा तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर हैदराबाद राज्य के अनुबंध पर भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रही है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आना चाहती है। इसलिए वे इतिहास को विकृत कर रहे हैं और सांप्रदायिकता को बढ़ावा दे रहे हैं। वामपंथी नेता के अनुसार, वे 17 सितंबर को निजाम के 'समर्पण दिवस' के रूप में मनाते हैं।

महारानी एलिजाबेथ का अंतिम संस्कार

लंदन। ब्रिटेन की सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का लंदन के वेस्टमिंस्टर एब्बे में सोमवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। जिसमें 2,000 से ज्यादा मेहमान शामिल होंगे। महारानी का निधन 96 वर्ष की उम्र में 8 सितंबर को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में हो गया था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, सेवा सुबह 11 बजे (लगभग 4 बजे आईएसटी) शुरू होने से पहले, महारानी के लंबे जीवन को याद करते हुए लगातार 96 मिनट तक घंटी बजाई जाएगी।



नीतीश कुमार को फिर लगा झटका दादरा-नगर हवेली और दमन एवं दीव से जदयू के नेता भाजपा में शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। नीतीश कुमार की पार्टी को एकबार फिर बड़ा झटका लगा है। दादरा-नगर हवेली और

में शामिल हुए थे। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश से जदयू के 16 नेता रविवार को पार्टी में शामिल

जदयू के अधिकांश विधायक भगवा पार्टी में शामिल हो गए और हाल ही में मणिपुर के 7 में से 5 विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया था।



दमन एवं दीव से जनता दल युनाइटेड (जदयू) के 12 से अधिक नेता रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। जदयू के नेता एवं स्थानीय निकायों में निर्वाचित सदस्य यहां भाजपा अध्यक्ष जेपी नुहा की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की यह तीसरी इकाई है, जिसके नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। इससे पहले, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश इकाइयों के जदयू नेता भाजपा

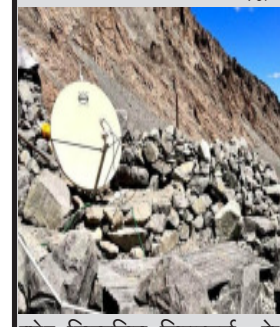
हुए। इससे पहले सितंबर के पहले सप्ताह में मणिपुर में जनता दल (युनाइटेड) के छह में से पांच विधायक भाजपा में शामिल हुए थे। मणिपुर जदयू के विधायकों के भाजपा में शामिल होने के बाद, भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मणिपुर और अरुणाचल जैसे राज्य जदयू मुक्त हो गए हैं। विशेष रूप से, कुछ दिनों पहले ही अरुणाचल प्रदेश में

बता दें कि 25 अगस्त 2022 को अरुणाचल प्रदेश के एकमात्र जदयू विधायक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नुहा और अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। जदयू विधायक टेची कासो के भाजपा में विलय के साथ ही भाजपा 60 विधानसभा सीटों (एमएलए) में से 49 पर कब्जा हो गई है। जदयू के 9 पार्षदों में से 8 भाजपा में शामिल हो गए हैं। अब भाजपा पार्षदों की कुल संख्या 20 में से 18 है।

भारतीय सेना का कमाल, अब दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र यानी सियाचिन में एक बड़ी सफलता हासिल की है। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी



कोर सियाचिन सिग्नलर्स के अभूतपूर्व कदम से अब दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र यानी सियाचिन ग्लेशियर में भी इंटरनेट की सुविधा मिल सकेगी। सियाचिन सिग्नलर्स ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर (19,061 फीट) पर सेंटलाइट आधारित इंटरनेट सेवा सक्रिय कर दी है। मालूम हो कि गौरतलब है कि भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर सियाचिन

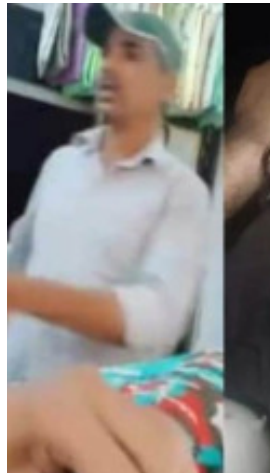
सिग्नलर्स दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालती है। इस बीच भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे पूर्वी कमान के मुख्यालय पहुंचे और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। भारतीय सेना की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक भारतीय सेना प्रमुख को क्षेत्र की मौजूदा सुरक्षा स्थितियों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और सैनिकों के साथ बातचीत की। गौरतलब है कि भारतीय सेना सीमाओं पर अपनी

तैयारियों को लगातार मजबूत कर रही है। भारतीय सेना सीमा के सटे इलाकों में इफ्रास्ट्रक्चर को भी लगातार विकसित कर रही है। इसके साथ ही आपरेशनल और रणनीतिक तैयारियों पर भी सैन्य का फोकस है। इसी कवायद के तहत भारतीय सेना ने घरेलू रक्षा उद्योग से यह बताने को कहा है कि आपातकालीन स्थितियों में वे किन महत्वपूर्ण उपकरणों की आपूर्ति कर करने में सक्षम हैं।

कन्हैयालाल की हत्या के आरोपियों ने की थी नेपाल भागने की तैयारी, बनाए थे दो प्लान

(आधुनिक समाचार सेवा)

उदयपुर। देशभर में चर्चित रहे उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपित मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद की नेपाल भागने की



तैयारी थी। एनआइए की जांच में यह जानकारी सामने आई है। इसके लिए उन्होंने दो प्लान तैयार किए थे। पहला प्लान, जिसमें वह राजसमंद होकर अजमेर पहुंचकर वहां एक दरगाह में ठहरने वाले थे और बाद में सड़क मार्ग के जरिये उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए नेपाल चले जाते। दूसरा प्लान यह था कि वह

वीडियो वायरल नहीं करते तो कुछ दिन उदयपुर में ही बिताते और बाद में नेपाल चले जाते। नेपाल जाने में उनको हैदराबाद का एक व्यक्ति मदद करता, जो उसी दावत-ए-इस्लामी

जिले के भीम कस्बे में पकड़े गए। गौरतलब है कि 28 जून को उदयपुर के मालदास स्ट्रीट में सुप्रीम टेलर्स के संचालक कन्हैयालाल की धारदार हथियार से हत्या कर दी



संगठन से जुड़ा था, जिससे ये दोनों आरोपित जुड़े थे। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के नेतृत्व में कन्हैयालाल हत्याकांड के दोनों मुख्य आरोपितों को लेकर उदयपुर आई एनआइए की टीम ने उक्त राज उजागर किया है। इसमें उसने बताया कि आरोपितों ने पहले प्लान पर काम किया, मगर वे राजसमंद

गई थी। आरोपित मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद ने हत्या का वीडियो भी बनाया था। साथ ही हत्या की जिम्मेदारी लेने का भी वीडियो बनाया था। दोनों वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल किए थे। इस मामले में अब तक नौ आरोपितों को एनआइए गिरफ्तार कर चुकी है।

गुजरात में चुनाव आयोग की टीम ने लिया तैयारियों का जायजा, फीडबैक भी जाना

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के अधिकारियों की एक टीम ने गुजरात में आगामी विधानसभा चुनावों की



तैयारियों का जायजा लिया। चुनाव आयोग की नौ सदस्यीय टीम शुक्रवार से अहमदाबाद के तीन दिवसीय दौर पर थी। गुजरात के मुख्य चुनाव अधिकारी पी भारती के साथ आयोग की टीम ने 17

और 18 सितंबर को जिला चुनाव अधिकारियों, जिला पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान अधिकारियों ने आगामी चुनावों के सुचारु संचालन के लिए मिले फीडबैक पर चर्चा करने के लिए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक भी की। गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी, 2023 को समाप्त होगा। चुनाव आयोग इस अवधि के छह महीने के भीतर कभी भी चुनाव करा सकता है। माना जा रहा है कि चुनाव इसी साल के अंत में दिसंबर तक हो सकते हैं।

कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए आठ विधायकों से आज मिलेंगे पीएम मोदी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिडिया से बात करते हुए सावंत ने कहा कि हम दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने आए हैं। कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए आठ विधायकों से आज मिलेंगे पीएम मोदी, सीएम प्रमोद सावंत भी रहेंगे मौजूद 19 जून 2022 09:35 इदह, 19 जून 2022 09:53 गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पीएम मोदी की फाइल फोटो कांग्रेस के पूर्व विधायक माइकल लोबो ने भाजपा ज्वाइन करने को लेकर कहा कि हमने पीएम मोदी और सीएम प्रमोद सावंत के हाथों को मजबूत करने के लिए भाजपा में 2/3 के बहुमत से विलय किया है। भाजपा में शामिल होने के लिए विधायक दिगंबर कामत ने कहा था, 'मैं एक मंदिर गया, देवी-देवताओं से पूजा किए हुए है। सीएम सावंत सोमवार को भाजपा के इन नए आठ सदस्यों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।



छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत उन विधायकों को लेकर रविवार को दिल्ली पहुंच गए हैं। राज्य में कांग्रेस के 11 में से आठ विधायक भाजपा में शामिल हुए हैं। सीएम सावंत सोमवार को भाजपा के इन नए आठ सदस्यों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।

मिडिया से बात करते हुए सावंत ने कहा कि हम दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने आए हैं। कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए आठ विधायकों से आज मिलेंगे पीएम मोदी, सीएम प्रमोद सावंत भी रहेंगे मौजूद 19 जून 2022 09:35 इदह, 19 जून 2022 09:53 गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पीएम मोदी की फाइल फोटो कांग्रेस के पूर्व विधायक माइकल लोबो ने भाजपा ज्वाइन करने को लेकर कहा कि हमने पीएम मोदी और सीएम प्रमोद सावंत के हाथों को मजबूत करने के लिए भाजपा में 2/3 के बहुमत से विलय किया है। भाजपा में शामिल होने के लिए विधायक दिगंबर कामत ने कहा था, 'मैं एक मंदिर गया, देवी-देवताओं से पूजा किए हुए है। सीएम सावंत सोमवार को भाजपा के इन नए आठ सदस्यों के साथ पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे।

यमुना नदी किनारे मिले 100 से अधिक मृत सूअर, पशुधन विभाग की टीम ने किया दफन

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। करेलाबाग और ससुर खेरी नदी के किनारे ककरहा घाट तक 100 से अधिक मृत सूअरों के

अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ का पानी घटने के बाद मृत सूअर अब दिखाई दे रही है। टीम लगातार नदियों के किनारे निगरानी रख रही



पड़े होने से लोगों में बेचैनी बढ़ गई है, इन लोगों को अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंता सताने लगी है। वहीं इस नदी के पास रहने वाले लोगों ने मृत सूअरों का वीडियो बना लिया। इस वीडियो के सामने आने के बाद नगर निगम के अधिकारी सक्रिय हुए। पशुधन विभाग की टीम भेजकर सारी मृत सूअरों को इकट्ठा करा कर दफन करा दिया।

नगर निगम के पशुचिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डा. अमृत राज ने बताया कि टीम वहां भेजी गयी थी और मृत सूअरों को जो सी बी गड्ढा खो देवाकर डिस्पोजल करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि बाढ़ में बहकर मृत सूअर यहां आई थी और अब पानी घटने के बाद दिखाई दी है।

रेलवे स्टेशन के सामने मोबाइल और रुपये लूटे

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। रेलवे स्टेशन के सामने बंदमशाओं ने एक युवक का मोबाइल और 54 सौ रुपये लूट लिया। मामले में खुल्दाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। करछना थाना क्षेत्र के रामगढ़ डीहा के रहने वाले सुशील कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका भतीजा आशीष कुमार पुत्र

कृष्ण कुमार दिल्ली जाने के लिए प्रयागराज जंक्शन जा रहा था रेलवे स्टेशन के सामने बस स्टैंड के पास वह पहुंचा तो तीन बंदमशाओं ने उसे तमचा सटा दिया और मोबाइल व रुपये लूटकर निकल भगे। खुल्दाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है।



सड़क पर खुलेआम गुंडागर्दी का वीडियो वायरल

म्योराबाद चौराहे पर विवाद के बाद रिवाल्वर और डंडे निकले

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। म्योराबाद चौराहे पर छोटी सी बात पर रिवाल्वर और लाठी डंडे निकल गए। सड़क पर खुलेआम तीन युवकों ने जमकर बवाल काटा। एक युवक हाथ में रिवाल्वर लेकर खुद का बचाव करता दिखा तो दो युवक हाथ में डंडे लेकर गाली गलौज करते रहे। दोनों युवक रिवाल्वर लिए युवक को मारने के लिए उसको पकड़ रहे थे और उसकी रिवाल्वर छीनना

चाह रहे थे। इसमें एक युवक आर्मी का भी बताया जा रहा था। सड़क पर जाम जैसी स्थिति होने के बाद किसी तरह लोगों ने दोनों पक्षों को अलग किया और मामला शांत कराया। लोग इस पूरी घटना का वीडियो बनाते देखे और यह इंटरनेट मीडिया पर भी वायरल होने लगा। इसमें एक युवक जो खुद की बचाव के लिए लाइसेंसी रिवाल्वर भले ही हाथ में लिया था लेकिन उसने सूझबूझ दिखायी। दूसरे दो युवक हाथ में डंडा लेकर उसे गाली

देते रहे और सड़क पर गिरा दिए फिर भी वह युवक रिवाल्वर का इस्तेमाल नहीं किया, न ही कोई फायरिंग की। दोनों युवकों उसके सामने खड़े होकर उसे ललकारते रहे 'चलाओ गोली, हिम्मत हो तो मारो गोली'। यहां तक कि उसका रिवाल्वर छीनने का भी प्रयास करते रहे। जहां पर यह घटना हुई वहां से कुछ कदम दूर पर ही बेली पुलिस चौकी थी लेकिन पुलिस को इस घटना की भनक तक नहीं हुई।



इविवि में अवैध छात्रों का प्रवेश होगा प्रतिबंधित

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अवैध छात्रों के प्रवेश पर प्रतिबंधित होगा। इससे लिए अब विश्वविद्यालय प्रॉक्टरियल बोर्ड के सदस्य औचक जांच

करेंगे। इविवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार की ओर से जारी सूचना के अनुसार परिसर में आने वाले छात्र-छात्राएं शैक्षिक सत्र 2022-23 का परिचय पत्र अपने साथ आवश्यक रखें। जिन छात्रों का

परिचय पत्र नहीं बना है वह फीस रसीद की मूल कॉपी रखें। औचक निरीक्षण के दौरान परिचय पत्र व फीस रसीद न दिखाने पर छात्रों के ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।



नवरात्रि पर युवाओं को सेक्स तंत्र पर मचा बवाल, पुलिस ने आयोजक के खिलाफ दर्ज किया केस



मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में नवरात्रि के दौरान 'सेक्स तंत्र' को लेकर बवाल मच गया है। पुणे पुलिस ने उस शख्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिस पर सोशल मीडिया पर यह विवादित विज्ञापन शेयर करने का आरोप है। इसमें कहा गया था कि नवरात्रि स्पेशल कैंप का आयोजन होने जा रहा है। यह 3 दिन और 2 रात का 'सेक्स तंत्र' कोर्स है जो सत्यम शिवम सुंदरम

फाउंडेशन की ओर से पुणे में आयोजित किया जाएगा। विज्ञापन के मुताबिक, ऑर्गेनाइजेशन ने नवरात्रि त्योहार के मौके पर युवाओं की सेक्स ट्रेनिंग के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया था। इसमें कहा गया था कि रिसर्चिथल कैंप के लिए 15,000 रुपये फीस होगी। 1-3 अक्टूबर के बीच होने वाले इस स्पेशल कैंप में अलग-अलग सेक्स टेकिन्स की ट्रेनिंग दी

जाएगी। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। पुणे पुलिस की सोशल यूनिट ने इस मामले पर संज्ञान लिया और विज्ञापन शेयर करने वाले आरोपी की पहचान रवि सिंह के तौर पर की है, जो यूपी के प्रयागराज का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, रवि सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर ऐसा विज्ञापन शेयर करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है।

लालगंज सम्पूर्ण समाधान दिवस में 185 में 10 शिकायतों का हुआ मौके पर निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का

दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 185 शिकायतों में से 70 शिकायतें राजस्व विभाग से,

उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर



त्व्रित गति के साथ निस्तारण हो सके इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रम सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में आयोजित किया गया। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतें पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने सुना। सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्रमबद्ध तरीके से फरियादियों की शिकायतों को सुना गया एवं यथाशीघ्र शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। लालगंज तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 185 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 10 शिकायतें इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर

पुलिस विभाग से 50, विकास विभाग से 30, समाज कल्याण से 10, शिक्षा विभाग से 05 एवं 20 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हुये प्रकरणों का यथाशीघ्र गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुना जाये और समय सीमा के अन्तर्गत उनका निस्तारण भी सुनिश्चित किया जाये ताकि फरियादियों को इधर-उधर अपनी समस्याओं को लेकर भटकना न पड़े। उन्होंने निर्देशित करते हुये कहा कि समाधान दिवस में आये जमीनी विवादों के शिकायतों को सुचीबद्ध किया जाये तथा राजस्व और पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर बिना किसी पक्षपात के उन शिकायतों का समयाधि के अन्दर

निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारियों शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्व्रित गति से किया जाये। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस शासन की प्रार्थमिकता का कार्यक्रम है इसलिये सभी अधिकारियों अपने-अपने दायित्वों को समझे और उसका शत प्रतिशत निर्वहन करें जिससे आमजन मानस की समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी लालगंज सौम्य मिश्र सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दिव्यांग दम्पति को विवाह करने पर दिया जायेगा प्रोत्साहन पुरस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सच्चिदानन्द तिवारी ने जनपद के समस्त दिव्यांगजनों को सूचित किया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना अन्तर्गत आनलाइन आवेदन वेबसाइट पर स्वीकार किये जा रहे हैं। आवेदन पत्र साइबर कैंफे, निजी इंटरनेट केन्द्र, जनसुविधा केन्द्रों के माध्यम से किया जा सकेगा। उन्होंने बताया है कि इस योजना अन्तर्गत दिव्यांग दम्पति को विवाह करने पर पुरुष के दिव्यांग होने पर प्रोत्साहन पुरस्कार 15000 रुपये एवं महिला के दिव्यांग होने पर 20000 रुपये तथा यदि दम्पति (पति-पत्नी) दिव्यांग है तो 35000 रुपये पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाता है। इच्छुक पात्रता रखने वाले दिव्यांगजन

आनलाइन आवेदन भरते समय आवेदक दम्पति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम फोटोग्राफ, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, सक्षम स्तर से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, अधिवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त खाता आदि अभिलेख पूर्ण कर आनलाइन आवेदन कर हार्डकापी मय संलग्न सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रयागराज कक्ष संख्या-25 में जमा करा दें ताकि नियमानुसार अग्रतर कार्यवाही की जा सके। दिव्यांगजन आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। किसी भी अस्ुविधा हेतु कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी से किसी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

02 गुण्डे हुए जिला बंदर, 01 व्यक्ति का शस्त्र लाइसेंस निरस्त (आधुनिक समाचार सेवा) प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में जिन व्यक्तियों के आस-पास है क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरुद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है ऐसे 02 व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट डा0 नितिन बंसल ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होंने थाना उदयपुर ग्राम कटरिया के अशोक कुमार कोरी पुत्र शिवराज व कपिल सिंह पुत्र दल बहादुर सिंह को जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। इससे अलावा जनपद प्रयागराज के शस्त्र लाइसेंस जो आपराधिक क्रिया-कलाप में लिप्त होने एवं शस्त्र अनुज्ञापत्र की शर्तों का उल्लंघन करने के दोषी पाये गये 01 व्यक्ति के शस्त्र लाइसेंस को जिला मजिस्ट्रेट ने निरस्त कर दिया है। उन्होंने थाना जेठवारा ग्राम सपड़वा खास के जगदीश बहादुर सिंह पुत्र लाल प्रताप सिंह के शस्त्र लाइसेंस रिवाल्वर को निरस्त कर दिया है।

आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -

- पूर्णतः वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710

SATYAM # 9305124298

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज में शैलेष आईपीएस द्वारा तहसील सोरांव में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जनता की शिकायतों की सुनवाई की गयी तथा निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।



भाजपा अनुसूचित मोर्चा का जिलामहामंत्री बनीं रंजना

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। प्रयागराज क्षेत्र के रेरा रोड स्थित गंगाधर पब्लिक स्कूल में हुए कार्यक्रम में अनुसूचित मोर्चा की जिलामहामंत्री रंजना भारती को बनाया गया। इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजमणि पासवान एवम जिलाध्यक्ष यमुनापार विभव नाथ

भारती ने पदभार ग्रहण कराया। कहा कि महिला युवा शक्ति से ही सशक्त भारत का निर्माण हो सकता है। साथ में सीमा गौतम, विमला देवी, संगीता देवी, कमलेश कुमार सोनी, कंचन देवी, सरोज देवी ने सदस्यता ग्रहण करते हुए पार्टी के लिए ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश

सह कोषाध्यक्ष मनोज पासरी, विद्यालय संरक्षक दशरथ लाल भारती, सुरेन्द्र सोनकर मंडल अध्यक्ष जसरा, चंद्रशेखर भारती, मनोज भारती, दिलीप पासवान, राकेश आदिवासी, सुरेश आदिवासी, सुरेश सोनकर, आशीष सोनकर, विकास भारती, बृजेन्द्र गौतम सहित विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।



भदोही में याकूबपुर के पंचायत सहायक की हत्या कर शव नदी में फेंका

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदोही। भदोही में याकूबपुर के पंचायत सहायक की हत्या कर शव नदी में फेंका, ग्राम प्रधान सहित चार के खिलाफ एफआइआर दर्ज

की तहरीर पर पुलिस ने ग्राम प्रधान सहित चार लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई। इसमें तीन आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा

शशिकांत गांव में ही पंचायत सहायक के पद पर कार्यरत था। रविवार को सुबह 5.30 बजे वह वाराणसी जाने के लिए घर से निकला था। दोपहर बाद एक शव तुलसीचक गांव के पास वरुणा नदी उतराया मिला। आसपास के लोगों की नजर पड़ी तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। देखते ही देखते घटना स्थल पर बड़ी संख्या में गांव के लोगों की भीड़ गई। उसका हाथ-पैर बंधा था तथा चेहरे पर चोट के निशान थे पहचान होते ही गांव के लोगों इसकी जानकारी तत्काल मृतक शशिकांत के परिवार को दी। परिवार के लोग भी एक बारी घटना को लेकर विश्वास नहीं कर रहे थे। उनका कहना था कि शशिकांत वाराणसी के लिए निकला है। वह जब घटना स्थल पर पहुंचे तो शव देख अवाक रह गए। आरोप लगाया कि चुनावी रंजिशा में उसके बेटे की हत्या कर दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने घटना स्थल का जायजा लिया। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस की तैनाती कर दी गई है। भदोही के याकूबपुर निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य माला देवी का पुत्र



याकूबपुर के पंचायत सहायक शशिकांत(25) की हत्या कर शव को रस्सी से बांध कर तुलसीचक गांव के पास वरुणा नदी में फेंक दिया। रविवार को दोपहर बाद नदी में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गईपिता शिवकुमार

रही है। घटना का कारण चुनावी रंजिशा बताई जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने घटना स्थल का जायजा लिया। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस की तैनाती कर दी गई है। भदोही के याकूबपुर निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य माला देवी का पुत्र

यूपी में पूरी रणनीति के साथ 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ेगी भाजपा

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि

सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। इसके लिए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ ही रणनीति बनाई जा रही है। यह बातें उन्होंने शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष बनने के बनने के बाद पहली बार जनपद आगमन पर नेहरू हाल में प्रेस-प्रतिनिधियों से कही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा के उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर की सीटों पर मिली जीत की समीक्षा गहनता से कर ली गई है और आगे भी पार्टी सभी चुनाव पूरी दमदारी से लड़ेगी और जीत दर्ज करेगी। जीत दर्ज करने के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी नगर निकाय के चुनाव में मेयर, अध्यक्ष व सभासद पद की सभी सीटों पर पार्टी अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेगी और जीत दर्ज करेगी।



पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी के स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के साथ ही व्हीलचेयर स्टेशन अधीक्षक को किया गया भेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी। सम्पूर्ण भारतीय रेलवे के साथ-साथ मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय के निर्देशन में वाराणसी मंडल पर शुक्रवार से आगामी 2 अक्टूबर, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसी क्रम में वाराणसी मंडल पर पखवाड़े के अंतर्गत आज शनिवार को स्वच्छ स्टेशन दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी के स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के साथ ही व्हीलचेयर स्टेशन अधीक्षक को भेट किया। इस स्वच्छता पखवाड़े के क्रम में आज स्वच्छ स्टेशन दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें नामित अधिकारियों द्वारा ए एवं ए श्रेणी के स्टेशनों के अतिरिक्त बी एवं डी श्रेणी के स्टेशनों-बनारस, वाराणसी सिटी, मऊ, गाजीपुर सिटी, सीवान, बालिया, भाटना, आजमगढ़, खोरासनरोड, बेल्थारोड एवं छपरा जं स्टेशनों पर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाकर क्लीन स्टेशन बनाने का प्रयास किया गया। इस दौरान स्वच्छ स्टेशन दिवस पर वाराणसी मंडल के नामित अधिकारियों द्वारा उपरोक्त स्टेशनों पर ग्रास्टिक का उपयोग निरूद्ध किया गया। स्टेशन परिसर को ग्रास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से ग्रास्टिक बोतलों और रैपर

साफ किया गया। उक्त सभी स्टेशनों के प्रसाधनों, सननागारों, स्टेशन की नालियों, स्टेशनसेक्शन के ट्रेकों, प्लेटफार्मों के ड्रेनेज, यात्री शौचालयों, पे एण्ड यूज एवं यात्री

की उपलब्धता, स्टेशनों के प्लेटफार्मों को कचरा मुक्त करने, सफाई उपकरणों की क्रियाशीलता, वाटर बूथों पर पानी की निबंधन सुझाई एवं अबाध ड्रेनेज स्वच्छता के साथ

श्रीवास्तव एवं मंडल यांत्रिक इंजीनियर(पावर) द्वारा श्रमदान किया गया। इसके अतिरिक्त बनारस स्टेशन पर भी श्रमदान कर व्यापक साफ सफाई की गई।

एने की सफाई, जल निकासी, सर्कुलैटिंग एरिया, वाटर बूथ, स्टेशन स्थित कुर्सी और बेंच सहित समस्त स्टेशन की सफाई विशेष रूप से कराया गया। सीविल सोसायटी के सोसाइटी हेल्पर रमण सोवान ने विशेष सफाई अभियान में भाग लिया और सफाई के प्रति पैसंजर को जागरूक किया। अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार यात्रियों से स्टेशनों पर स्वच्छता कायम रखने के परिप्रेक्ष्य में फीड बैक भी लिया गया और उनको यात्रा के दौरान स्टेशनों एवं गाड़ियों में गंदगी फैलाने से होने वाली बीमारियों यथा कोरोना, डेंगू, मलेरिया और संक्रमण वाली बीमारियों के प्रति सचेत होकर स्वच्छता के प्रति सदैव जागरूक रहकर अन्य यात्रियों को भी स्वच्छता के लिए जागरूक करने का संदेश दिया। इस अभियान के दौरान स्टेशन परिसरों में पोस्टर/बैनर/प्रभात फेरी आदि के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता फैलाई जा रही है तथा जन सूचना प्रणाली के माध्यम से लगातार यात्रियों को यात्रा के दौरान स्टेशनों एवं गाड़ियों में स्वच्छता के प्रति जागरूक रहकर अन्य यात्रियों को भी स्वच्छता के लिए जागरूक करने की अपील जा रही है।



हालों तथा सर्कुलैटिंग एरिया को ग्रास्टिक परित्यक्तों से मुक्त कर साधन साफ-सफाई किया गया। इस दौरान नामित अधिकारियों एवं वरिष्ठ सुपरवाइजरों द्वारा गहन निरीक्षण करके गिले और सूखे कचरों के लिए पृथक कूड़ादान की उपलब्धता, सफाई कर्मचारियों की उपयुक्त वर्दी

सुनिश्चित की गई। साथ ही संक्रामक रोगों से बचाव हेतु डीसइंफेक्शन एवं सैनिटाइजेशन भी कराया गया। इस अभियान के दौरान आज वाराणसी सिटी स्टेशन के सर्कुलैटिंग एरिया में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर आलोक केशरवानी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(ऑपरेशन) ए0 के0

बनारस स्टेशन पर नमो सेना इंडिया वाराणसी द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 10 अदद व्हील चेयर बनारस स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक को भेट किया गया। इसके अतिरिक्त ठकुरीन स्टेशन के तहत सीवान जंक्शन स्टेशन पर स्टेशन एरिया, पार्किंग एरिया, ट्रेक, फूट ओवर ब्रिज, इस्टबिन की सफाई, वेसेबल

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज (आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में सम्मस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविध पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए हैं।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंटी ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेंशन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्नियनियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेलिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखें।

- प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते हैं, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
- चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
- आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
- आवेदन कैसे करे:** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से नि:शुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रु 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
- बस पास:** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
- छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते हैं।
- अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट [www,nainiiti.com](http://www.nainiiti.com) देखें।
- दाखिले की अंतिम तिथि: 30 सितंबर 2022
- सफल अभ्यर्थियों को भारत सरकार द्वारा रु 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलब्ध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्र— 7518828710, 9415608710, 6386474074, 9415608790

लकड़ी काटने गए दो युवकों की आकाशीय बिजली के चपेट में आने से हुआ मौत

(आधुनिक समाचार सेवा) बेलख टोला टेकमा थाना चोपन (चोपन) सोनभद्र। थाना क्षेत्र के बेलख के मंगलेश्वर पहाड़ी पर बीती रात बीती शुकुवार को लकड़ी काटने गए दो युवकों की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक चोपन लक्ष्मण पर्वत ने बताया की मेवा लाल पुत्र जयराम उम्र 25, रमाशंकर पुत्र राजकुमार उम्र 20 वर्ष, निवासी

एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा आस्था एवं भक्ति भाव से मनाया गया विश्वकर्मा पूजा



(आधुनिक समाचार सेवा) श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (मैटेनेंस), श्री जोसफ वास्टियन, महाप्रबंधक (ऐश डायक मैनेजमेंट), श्री प्रबोध कुमार, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन), श्रीमती नील कमल भोगल, कल्याण प्रभारी, वनिता समाज, श्रीमती रंजू सिंह, वरिष्ठ सदस्या, वनिता समाज, श्रीमती शुभा घटक, वरिष्ठ सदस्या, वनिता समाज, श्री विजय कुमार सिक्कर, मानव संसाधन विभाग प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली के सभी विभाग प्रमुख, युनियन एवं एसोसिएशन के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर राज्यमंत्री ने किया कंबल का वितरण

(आधुनिक समाचार सेवा) कहा कि जनता को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री के 72 वें जन्मदिवस पर देश में सेवा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राज्यमंत्री नरेंद्र मोदी के 72 वें



जन्मदिवस पर कंबल वितरण कार्यक्रम किया। बताते चलें कि समाज कल्याण राज्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72 वें जन्मदिन पर कंबल वितरण कार्यक्रम में 72 जरूरतमंद लोगों को कंबल देकर दीर्घायु होने की कामना की गई इस दौरान उन्होंने

नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर ब्लाक प्रमुख द्वारा नमो प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन



(आधुनिक समाचार सेवा) स्थित तिवारी कटरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72 वें जन्मदिवस के अवसर पर नमो प्रदर्शनी का उद्घाटन चोपन ब्लाक प्रमुख लीला देवी गोड ने किया। मंडल अध्यक्ष दीपक दुबे ने बताया कि नमो प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 17 सितंबर से 19 सितंबर तक

आदिशिल्पी का अगाध श्रद्धा से पूजन-अर्चन समपन्न

(आधुनिक समाचार सेवा) मनोज पाण्डेय द्वारा कराया गया, पुजारी ने बताया कि हिंदू धर्म में आदिशिल्पी विश्वकर्मा भगवान को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है तथा कार्य एवं श्रम के देवता होने के कारण औद्योगिक क्षेत्र में विशेष स्थान प्राप्त है। संस्थान में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा, समृद्धि एवं हिण्डालको रेगुसागर पावर डिवीजन, के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना के साथ व्यालर मैटीनेंस, टरवाइंड मैटीनेंस, संचालन, सिविल विभाग, एरियल रोपवे एवं सी.एच.पी. कैटीन सहित विभिन्न विभागों में भी आदि देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा का पूजनोत्सव बड़े ही उत्साह से किया गया। तदोपरान्त



विकासखंड चोपन ग्राम पंचायत कोटा के अंतर्गत चुनियार टोला मे विगत एक वर्ष से हैंडपंप खराब है हैंडपंप खराब होने के कारण ग्रामीणों को मजबूरन पीना पड़ रहा है गंदा पानी



(आधुनिक समाचार सेवा) बीमारी की भी आशंका बनी हुई है। बताते चलें कि विकासखंड चोपन व ग्राम सचिवालय कोटा दोनो स्थलों से लगभग 12 किलोमीटर पर आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित चुनियार टोला और आसपास के पांच गांव को गोद लेकर विकास कार्य का दावा करने वाली अल्ट्राटेक सीमेंट फौंड्री भी लगभग 3 किलोमीटर पर स्थित फिर भी चुनियार में लगभग दो माह से 16 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब होने से लगभग 35 घरों के लोग अंधरे में जीवन व्यतीत कर रहे हैं और

नव्य काशी का हुआ विस्तार तो शामिल होगा मीरजापुर का चुनार

(आधुनिक समाचार सेवा) देते हुए बताया कि गंगा के किनारे चुनार से काशी तक आधारभूत विकास किया जा सकता है। ही विधायक ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा को भी प्रस्ताव की कापी सौंप कर उनसे भी विस्तृत चर्चा की। विधायक अनुराग सिंह ने मुख्यमंत्री को दिए प्रस्ताव में बताया कि दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग, हल्द्वी-प्रयागराज गंगा जलमार्ग और दिल्ली-कोलकाता राजमार्ग की दृष्टि से भी चुनार काशी का सबसे नजदीकी स्थल है। ऐसे विधायक ने नव्य काशी के प्रस्ताव संबंधी बुकलेट व डिजिटल सामग्री मुख्यमंत्री को सौंप कर काशी के विस्तार में योगीराज भर्तृहरि की पावन नगरी के सांस्कृतिक महत्व की जानकारी

पोलियो से मुक्त करने के लिए 317939 बच्चों को पिलाई जाएगी दवा
(आधुनिक समाचार सेवा) रमेश सिंह ठाकुर ने कहा कि जनपद को पोलियो मुक्त रखने के लिए अभियान में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत सभी बच्चों की सूची बूथ पर रखी जाएगी। बच्चों को पोलियो बूथ पर लाकर शत प्रतिशत प्रतिरक्षित करें। शून्य से पांच वर्ष के सभी बच्चों को पोलियो बूथ पर दवा पिलाना है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

ADMISSION OPEN SESSION 2022-2023

- * C.O.P.A.
- * Fitter
- * Computer Teacher training
- * Electrician
- * Fitter
- * Repair of Refrigerator & A.C.
- * Welding Technology
- * Certificate in YOGA
- * Security Service
- * Electric Technician
- * Fire Safety & Industrial Security
- * Computer Application
- * Computer Hardware & Maintance

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र को मिली उपलब्धि
नैनी : टेकनॉलॉजी प्रसार के क्षेत्र में नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र को एक और उपलब्धि हासिल हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मानक प्रमाण पत्र प्राप्त करके इस केंद्र द्वारा विगत सत्र में के वर अरुण कुमार अरुण कुमार ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। इस केंद्र के अंतर्गत ही नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ। इस केंद्र के अंतर्गत ही नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ। इस केंद्र के अंतर्गत ही नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ हुआ।

Visit us at www.nainiiti.com Call - 7518828710, 9415608710/83/90



बयान देने को लेकर जडेजा ने कोच और कप्तान को चेताया

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम में इस वक्त क्या चल रहा है इसकी चिंता सभी को है। आइसीसी टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत के एशिया कप में जबरदस्त हार मिली।

वैसे ये चीज भारतीय क्रिकेट के लिए नई नहीं है। इस चीज से बचा जा सकता है। मुझे इस बात का भरोसा है कि कप्तान और कोच के बीच बातें साझा जरूर की जाती होगी लेकिन जरूरी कि ये सारी

आकर सफाई देने की जरूर महसूस नहीं होनी चाहिए। देखिए जीत और हार तो खेल का हिस्सा होता है लेकिन टीम कॉम्बिनेशन को लेकर कभी भी किसी तरह का कोई कन्फ्यूजन नहीं होना चाहिए। ऐसी



पाकिस्तान और श्रीलंका से सुपर फोर की हार ने टीम के टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पूर्व क्रिकेटर्स ने अति प्रयोग को टीम की हार का कारण बताया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजय जडेजा ने कप्तान और कोच को मीडिया में बयान देते वक्त सतर्क रहने की सलाह दी है। जडेजा ने ट्विटर पर कहा, 'ठपकपोर को ये जो प्रोसेस है इसे जारी रखना होगा लेकिन अगर जो नतीजे मिलने के बाद भी इस तरह से लोगों को बाहर करे और बदलाव जारी रहेगा तो फिर कन्फ्यूजन पैदा होगा।

चीजें मीडिया से सामने भी खुलकर रखी जाए। ऐसा तो नहीं है कि हम कभी कप्तान ही नहीं रहे या फिर हमने कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की हो। कभी कभी आपको कुछ चीजों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताना होता क्योंकि वो बातें महत्वपूर्ण हो सकती हैं। लेकिन आपकी टीम के यह पता होना चाहिए कि ये सभी बातें क्यों बताई गई हैं। टीम के अंदर की जाने वाली बातें और सभी के बीच का रिश्ता बेहद मजबूत होना चाहिए। टीम के खिलाड़ियों को किसी भी चीज को प्रेस के सामने

बातें नहीं कही जानी चाहिए कि 'हम कुछ नया आजमा रहे हैं' या और इसी तरह की मिलती जुलती बातें। आपके इस बात को समझना होगा कि ये सभी खिलाड़ी हैं और इनका भी परिवार है। जब इस तरह की चीजें वो पढ़ते हैं तो कुछ चीजें उनके अंदर भी चलने लगती हैं। जब मीडिया के सामने कोच और कप्तान बयान देते हैं तो उनको उन सब चीजों का ध्यान रखना चाहिए। भले ही टीम के अंदर आप जितनी चाहे उतनी चर्चा कर लीजिए।

युजवेंद्र चहल ने धनश्री के साथ शेरार किया रोमांटिक वीडियो, दोनों ने साथ गुजारे कुछ बेहतरीन पल याद किए

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। एशिया कप में टीम इंडिया का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। भारतीय टीम सुपर फोर राउंड में पाकिस्तान और श्रीलंका के खिलाफ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई थी। हालांकि, इस

धनश्री ने हाल ही में अपने पैर का ऑपरेशन करवाया है। इसी वजह से चहल ने ये वीडियो पोस्ट किया। दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। धनश्री एक यूट्यूबर और डांस कोरियोग्राफर हैं और सोशल मीडिया पर उनके



टूर्नामेंट में स्पिनर युजवेंद्र चहल का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अपने लगातार दो ओवर में तीन विकेट चटकाने और टीम इंडिया की वापसी करा दी थी, लेकिन आखिरी के कुछ ओवरों में भारतीय टीम मैच हार गई। अब चहल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज से पहले ब्रेक पर हैं। इस दौरान उन्होंने पति धनश्री वर्मा के साथ एक रोमांटिक वीडियो पोस्ट किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने धनश्री का अपना ताकत बताया है। सोशल मीडिया पर ये कपल अपनी रील और पोस्ट की वजह से काफी पॉपुलर हैं। दोनों अक्सर वीडियो पोस्ट करते हैं जहां उन्हें एक साथ डांस करते देखा जा सकता है।

काफी फॉलोअर्स हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर स्टार कपल के तलाक की अफवाहों का दौर चला था। हालांकि, पहले चहल और बाद में धनश्री ने अपने प्रशंसकों से इस तरह की अफवाहों ने फैंलानी की अपील की थी। चहल ने एशिया कप के दौरान चार मैचों में चार विकेट लिए थे। उनकी 7.93 की इकोनॉमी थी। हालांकि, अब एक बड़ी सीरीज उनका इंतजार कर रही है। टीम इंडिया अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी 20 विश्व कप के लिए तैयारी कर रही है। उससे पहले भारतीय टीम 20 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और 27 सितंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ द्विपक्षीय टी-20 सीरीज खेलेगी।

एशिया कप चैंपियन श्रीलंका ने वर्ल्ड कप के लिए किया टीम का एलान, चांदीमल को किया बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज दिनेश चांदीमल को स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया है। वह एशिया कप की टीम में शामिल थे। वहीं, तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा की टीम में वापसी हुई है। दासुन शानका ही टीम की कप्तान संभालेंगे। एशिया कप 2022 विजेता श्रीलंका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का एलान कर दिया है। दिग्गज बल्लेबाज दिनेश चांदीमल को स्क्वॉड से बाहर कर दिया गया है। वह एशिया कप की टीम में शामिल थे। वहीं, तेज गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा की टीम में वापसी हुई है। दासुन शानका ही टीम की कप्तान संभालेंगे। इसके अलावा ज्यादातर खिलाड़ी वहीं हैं जो एशिया कप में खेले थे। तेज गेंदबाज चमीरा और लाहिरु कुमारा को उनके फिटनेस के आधार पर जगह दी गई है। टूर्नामेंट से पहले उनका फिटनेस टेस्ट होगा। दोनों चोट की वजह से एशिया कप से बाहर थे। हालांकि, इसके बावजूद टीम की गेंदबाजी एशिया कप में सबसे मजबूत दिखी थी। युवा तेज गेंदबाज प्रमोद मधुशान और

दिलशान मधुशंका ने शानदार स्विंग गेंदबाज का प्रदर्शन किया था। वहीं, एशिया कप टीम में शामिल अस्थिर फर्नांडो और मथिशा पथिराना को टीम से बाहर कर दिया गया है। बल्लेबाजों में चांदीमल के अलावा अशोन बंदारा, नुवानिडु फर्नांडो और स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा को भी टी-20 वर्ल्ड कप की टीम से बाहर किया गया है। इन चारों को रिजर्व के तौर पर टीम में रखा गया है। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बिनुरा फर्नांडो भी रिजर्व खिलाड़ी होंगे। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए श्रीलंकाई टीम: दासुन शानका (कप्तान), भानुकराजपक्षे, चमिका करुणारत्ने, दानुष्का गुणतिलका, धनंजय डी सिलवा, दुष्मंथा चमीरा (फिटनेस के आधार पर), पाथुम निसांका, वानिंदु हसरंगा, लाहिरु कुमारा (फिटनेस के आधार पर), कुसल मेंडिस, महेश तीक्ष्ण, दिलशान मधुशंका, चरिथ असलंका, जेफे वेंडर्स, प्रमोद मधुशान।



काउंटी क्रिकेट के बीच प्रीमियर लीग का मैच देखने पहुंचे शुभमन गिल

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। शुभमन ने अपने काउंटी करियर की अच्छी शुरुआत करते हुए वॉसेस्टरशायर के खिलाफ 92 रन बनाए थे। हालांकि, मिडलसेक्स के खिलाफ उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा,

स्टैमफोर्ड ब्रिज स्टेडियम चेल्सी का घरेलू मैदान है। शुभमन ने अपने काउंटी करियर की अच्छी शुरुआत करते हुए वॉसेस्टरशायर के खिलाफ 92 रन बनाए थे। हालांकि, मिडलसेक्स के खिलाफ उनका



क्योंकि वह केवल 22 और 11 रन ही बना सके। भारत के स्टार बैटर शुभमन गिल इन दिनों काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए लंदन में हैं। वह ग्रूमिंग टीम की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप खेल रहे हैं। इस टूर्नामेंट के बीच शुभमन इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच देखने पहुंचे। प्रीमियर लीग इंडिया द्वारा दौरे की गई एक तस्वीर में शुभमन स्टैंड से चेल्सी के लिए चीयर करते दिख रहे हैं। प्रीमियर लीग इंडिया ने कैप्शन में लिखा- स्टैमफोर्ड ब्रिज में नजर आए शुभमन। इस फोटो में शुभमन चेल्सी फुटबॉल क्लब की ब्लू जर्सी में नजर आ रहे हैं।

प्रदर्शन निराशाजनक रहा, क्योंकि वह केवल 22 और 11 रन ही बना सके। शुभमन ने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे मैच के दौरान अपना बहुप्रतीक्षित पहला अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। वह भारत के सबसे प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाजों में से एक हैं और कई पूर्व क्रिकेटर्स ने उन्हें भारतीय क्रिकेट में आने वाले समय का बड़ा खिलाड़ी बताया है। वहीं, कई पूर्व क्रिकेटर्स ने उन्हें भविष्य का कप्तान भी बताया है। वह इस साल की शुरुआत में आईपीएल 2022 का खिताब जीतने वाली गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा थे।

विराट कोहली ने 'स्पेशल कैप' के साथ शेयर की तस्वीर

माइकल जॉर्डन के शिकागो बुल्स को दिया ट्रिब्यूट

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। विराट कोहली क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं, लेकिन वह अन्य खेलों को भी उतना ही पसंद करते हैं। उन्हें फुटबॉल और टेनिस भी काफी पसंद हैं। रोजर फेडरर के साथ उनकी एक तस्वीर भी सामने आई थी। अब शुक्रवार को कोहली ने

खिताब जीते थे। उस बुल्स टीम को अब तक की सबसे महान टीमों में से एक माना जाता है। जॉर्डन के अलावा, टीम में स्कॉटी पिपेन और डेनिस रोडमैन जैसे अन्य लोग भी शामिल थे और उन्हें महान फिल जैक्सन द्वारा ट्रेनिंग दी गई थी। 90 के दशक में शिकागो बुल्स के प्रभुत्व के युग को 'द लास्ट डान्स' सीरीज

में अपने अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। नवंबर 2019 के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक था। इस तरह उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 71 शतक भी पूरे कर लिए और सबसे ज्यादा शतकों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिची पोर्टिंग की बराबरी की। अब वह



बास्केटबॉल के प्रति अपना प्यार भी दिखाया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सेल्फी साझा की, जिसमें वह एनबीए टीम शिकागो बुल्स की टोपी पहने नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में विराट ने लिखा- क्या किसी को 90 के दशक के बुल्स याद है? उन्होंने टीम के सबसे महान युग का जिक्र करते हुए फोटो को कैप्शन दिया। महान एथलीट माइकल जॉर्डन के नेतृत्व में शिकागो बुल्स ने 1990 के दशक में छह चैंपियनशिप

में अच्छी तरह से दिखाया गया है। कोहली ने क्रिकेट से एक महीने के लंबे ब्रेक के बाद हाल ही में एशिया कप में एक्शन में वापसी की थी। लंबे समय तक खराब फॉर्म से जूझने के बाद कोहली ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, भारतीय टीम पाकिस्तान और श्रीलंका से हार के बाद सुपर फोर राउंड से बाहर हो गई थी। कोहली ने टूर्नामेंट में दो अर्धशतक लगाए और फिर अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी

सचिन तेंदुलकर से बस 29 शतक पीछे हैं। कोहली अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज में नजर आएंगे। इसके बाद वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेंगे। उन पर एक बार फिर बड़ी पारी खेलने की उम्मीद होगी। वहीं, वह इस फॉर्म को अगले महीने होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में भी जारी रखना चाहेंगे। इस साल टी-20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला जाएगा। भारतीय टीम अपने पहले मैच में पाकिस्तान से 23 अक्टूबर को भिड़ेगी।

विराट कोहली के बल्लेबाजी क्रम को लेकर गंभीर का बयान, अब ये बकवास बातें शुरू मत कर देना फिर से

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार

दोबारा से शुरू ना कि ओपनिंग करनी चाहिए। वह पारी की शुरुआत नहीं कर सकते हैं जब तक केएल राहुल और रोहित शर्मा टीम में उपलब्ध हैं। मैंने इसको लेकर

विकेट गिर जाते हैं फिर विराट कोहली तो भेजना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन ने कहा, मैं विराट कोहली को नंबर तीन पर देखना



शतकीय पारी खेली। वह पिछले तीन साल के इस एक बड़ी पारी के इंतजार में थे। खराब फॉर्म से जूझ रहे इस पूर्व कप्तान की आलोचना हो रही थी और इस पारी के बाद अब उनको ओपनिंग पर भेजने की चर्चा शुरू हो गई है। पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने इस बारे में अपना राय दी है। गंभीर ने पर कहा, अब उनके (विराट कोहली) बारे में इस बेकार की चर्चा को

हल भी टीवी पर यह कहा है कि इस चर्चा को शुरू करने की जरूरत ही नहीं। विराट कोहली के बल्लेबाजी क्रम पर आगे गंभीर का कहना था, मैं बल्लेबाजी क्रम में तीन नंबर को लेकर हमेशा ही फ्लैक्सिबल रहना चाहता हूँ। अगर जो ओपनर 10 ओवर तक बल्लेबाज कर लेते हैं तो फिर मैं सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजना पसंद करूंगा। यही जो मैच में जल्दी

पसंद करूंगा। वह स्ट्राइक को बदल सकते हैं, वह विकेटों पर बहुत ही कमाल दौड़ लगाते हैं। वह पारी को पूरी तरह से नियंत्रण में रखते हैं। उनको स्पिनर से थोड़ी चुनौती जरूर मिलती है लेकिन वह तेज गेंदबाजी को बहुत ही अच्छा खेलते हैं। मुझे तो ऐसा लगता है कि टॉप के चार बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से फिक्स हो चुके हैं।

न्यूजीलैंड के पूर्व महान स्पिनर ने बताया- क्यों ऑस्ट्रेलिया में एक्स फैक्टर बन सकते हैं अश्विन

(आधुनिक समाचार सेवा) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान विटोरी जो लीजेंड्स क्रिकेट लीग खेलने भारत पहुंचे हैं, उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अश्विन टेस्ट में असाधारण रहे हैं। विटोरी लीजेंड्स लीग क्रिकेट में गुजरात जाएंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे। न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज स्पिनर डेनियल विटोरी को लगता है कि रविचंद्रन अश्विन का कहीं भी तेजी से ढल जाने की क्षमता और ऑस्ट्रेलिया के कंडीशन की जानकारी होना टी-20 वर्ल्ड कप में उनकी मदद कर सकता है। जब तेज और उछाल वाली पिचों की बात आती है, तो स्पिन गेंदबाज उतने प्रभावी नहीं होते हैं।

प्रदर्शन करना है। वह कई बार ऑस्ट्रेलिया गए हैं। विटोरी ने कहा कि रवींद्र जडेजा के चोटिल होने से अश्विन आगामी टी20 विश्व कप में स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की

अपनी सीम रिलीज के कारण इतने सफल रहे हैं। यह लगभग एक टॉप-स्पिन रिलीज है और उससे ही लियोन उछाल प्राप्त करते हैं। उपमहाद्वीप में आप विकेट पर



भरोसा कर सकते हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में सफलता की कुंजी, शायद साइड स्पिन की तुलना में अधिक टॉप स्पिन प्राप्त करने की क्षमता है। उपमहाद्वीप में साइड स्पिन का ज्यादा महत्व है। स्पिन गेंदबाजी विभाग में भारत के भविष्य के बारे में बात करते हुए विटोरी ने कहा- जब टीम में अश्विन और जडेजा जैसा बड़ा गेंदबाज हो जो कि टेस्ट में सफल रहे हैं और तीनों फॉर्म में खेलने की क्षमता है, तो युवा स्पिनर वैसा ही बनना चाहते हैं। मैं आने वाले

ऐसे में भारत ने अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अश्विन, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर्स को चुना है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान विटोरी जो लीजेंड्स क्रिकेट लीग खेलने भारत पहुंचे हैं, उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अश्विन टेस्ट में असाधारण रहे हैं। विटोरी लीजेंड्स लीग क्रिकेट में गुजरात जाएंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे। न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज स्पिनर डेनियल विटोरी को लगता है कि रविचंद्रन अश्विन का कहीं भी तेजी से ढल जाने की क्षमता और ऑस्ट्रेलिया के कंडीशन की जानकारी होना टी-20 वर्ल्ड कप में उनकी मदद कर सकता है। जब तेज और उछाल वाली पिचों की बात आती है, तो स्पिन गेंदबाज उतने प्रभावी नहीं होते हैं।

जगह ले सकते हैं। विटोरी ने कहा- भारत के पास स्पिन गेंदबाजी की भरमार है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर स्पिनर ऑलराउंडर हैं और साथ ही मुझे लगता है कि यह अश्विन को बाकियों से अलग करता है और टीम को एक अच्छा संतुलन देता है। पूर्व बाएं हाथ के स्पिन दिग्गज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में एक स्पिनर के लिए सफलता की कुंजी अधिक टॉप-स्पिन गेंदबाजी करना और उछाल प्राप्त करना है। इसी तरह से नाथन लियोन घरेलू मैदान पर सफलता पाते हैं। विटोरी ने कहा- नाथन लियोन जैसे गेंदबाज

युवाओं के बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकते हैं। क्योंकि कि जिन खिलाड़ियों का मैंने जिक्र किया है, उनके कारण भारतीय स्पिनर आने वाले समय में भी अच्छे हाथों में हैं। विटोरी ने कहा- रवि बिशनेई, राहुल चाहर भी आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में आए हैं। इसलिए जब वे दबाव की स्थिति में भारत के लिए खेलते हैं तो वे सफल होने के लिए तैयार होते हैं। विटोरी लीजेंड्स लीग क्रिकेट के दूसरे संस्करण में वीरेंद्र सहवाग के नेतृत्व वाले गुजरात जाएंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे।

राशिफल

<p>मेष-:स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है</p>	<p>वृष-:आज का दिन आपके लिए सफलता का दिन है। आज आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आज आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।</p>	<p>मिथुन-:आज का दिन भावनात्मक रहेगा। आप खुद को अपनी अंततम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।</p>	<p>कर्क-:जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है। आज अपने खर्ची पर नियंत्रण रखें से खर्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।</p>
<p>सिंह-:आज आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।</p>	<p>कन्या-:आज आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे। आज आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।</p>	<p>तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी, लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।</p>	<p>पुशिक-:आज भाग्य आपको पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, आज वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।</p>
<p>धनु-:आज भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से आज विचलित हो सकता है।</p>	<p>मकर-:खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें। रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अधियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।</p>	<p>कुंभ-:आज आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं। आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।</p>	<p>मीन-:आज आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी। परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।</p>

सम्पादकीय

सवालियों के बीच गुजरती भारत जोड़ो यात्रा, इसके जरिये कोई नया विमर्श नहीं खड़ा कर पा रहे हैं राहुल गांधी

कन्याकुमारी, तमिलनाडु से शुरू हुई कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' फिलहाल केरल में है। वाम दलों द्वारा शासित इस राज्य में यह यात्रा करीब 18 दिन रहेगी। ज्ञात हो कि केरल की वायनाड लोकसभा क्षेत्र से राहुल गांधी सांसद हैं। 20 लोकसभा सीटों वाले केरल की राष्ट्रीय राजनीति में वैसी अहमियत नहीं, जैसी कहीं अधिक सीटों वाले उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल आदि की है। यह यात्रा चुनाव वाले राज्यों हिमाचल और गुजरात से भी नहीं गुजर रही है। अब यह कहा जा रहा है कि यह यात्रा पूरी हो जाने के बाद उसका दूसरा चरण गुजरात से शुरू होगा। इसका अर्थ है कि यह काम करीब पांच माह बाद होगा। भारत जोड़ो यात्रा केरल में तो 18 दिन रहेगी, लेकिन 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में चार-पांच दिन। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं और सबसे पहला सवाल केरल सरकार का नेतृत्व कर रही माकपा ने उठाया। उसने इसे सीट जोड़ो यात्रा करार दिया, जिसके जवाब में कांग्रेस ने उसे भाजपा की भी टीम बता दिया। ध्यान रहे कि माकपा के साथ मिलकर कांग्रेस ने बंगाल में विधानसभा चुनाव लड़ा था। एक समय उत्तर प्रदेश कांग्रेस का गढ़ था। नेहरू, इंदिरा और राजीव गांधी यहीं से चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री बने, लेकिन लगता है कि कांग्रेस इस राज्य में अपने लिए कोई उम्मीद नहीं देख रही है। भारत जोड़ो यात्रा का उत्तर प्रदेश में केवल चार-पांच दिन का सफर कांग्रेसजनों के लिए भी आश्चर्य का विषय है। कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश की माने तो इस यात्रा का उद्देश्य पार्टी को मजबूती देना है, न कि विपक्षी एकता को बल देना, लेकिन वह इसकी अनदेखी कर रहे हैं कि कांग्रेस अपने बूते कितनी भी मजबूती पा ले, बिना गठबंधन वह कोई छाप नहीं छोड़ पाएगी। जयराम रमेश का यह भी मानना है कि यदि कांग्रेस मजबूत होगी तो विपक्षी दल खुद उसके साथ आ जाएंगे, पर यह भी उनकी एक भूल ही है, क्योंकि अधिकांश भाजपा विरोधी दल उसकी कमजोरी का लाभ उठाकर उसके ही वोट बैंक में संघ लग रहे हैं। कांग्रेस इसीलिए कमजोर हुई, क्योंकि वह क्षेत्रीय दलों को साथ लेने के फेर में अपनी राजनीतिक जमीन उनके लिए

छोड़ती गई। कांग्रेस भले ही यह कहे कि इस यात्रा का उद्देश्य पार्टी को मजबूती देना है, लेकिन लगता यही है कि इसका मकसद राहुल गांधी का कद बढ़ाना है। भारत जोड़ो यात्रा को शुरू हुए अभी दस दिन ही हुए हैं, लेकिन वह कई विवादों से दो-चार हो चुकी है। एक विवाद नफरती बयान देने वाले पादरी से राहुल की मुलाकात से उभरा और दूसरा कांग्रेस की ओर से आरएसएस के गणवेश को आग लगाते हुए टवीट से। इस टवीट से यही स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस भारत जोड़ने के नाम पर आरएसएस और अपने आचार-व्यवहार के माध्यम से आरएसएस-भाजपा की विचारधारा से प्रभावित लोगों को आकर्षित करने का काम क्यों नहीं करती? यदि भारत जोड़ो यात्रा का उद्देश्य सचमुच लोगों से जुड़ना है तो फिर विरोधी दलों पर अनावश्यक टीका-टिप्पणी करने का क्या मतलब? इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस यात्रा में राहुल गांधी वही सब बयान दोहरा रहे हैं, जो वह बीते तीन-चार साल से कहते चले आ रहे हैं। इसका अर्थ है कि वह आम जनता के समक्ष कोई नया विचार रखने में सक्षम नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा के बीच ही गोवा के आठ कांग्रेस विधायक जिस तरह टूट कर भाजपा में चले गए, उससे कांग्रेस को झटका तो लगा ही, यह भी प्रकट हुआ कि ये विधायक पार्टी में अपना कोई भविष्य नहीं देख रहे थे। जब विधायकों का यह हाल है तो कार्यकर्ताओं के मनोबल का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। कांग्रेस में ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो यह मान रहे हैं कि चाटुकार नेता गांधी परिवार का गुणगान कर अपना हित साधने में लगे हुए हैं। उनके पास ऐसी कोई रणनीति नहीं कि देश को आगे कैसे ले जाया जाए और जनता के सामने क्या ठोस विकल्प पेश किया जाए? उसके इस खोखले सोच के कारण ही इस समय जदयू, टीआरएस, तृणमूल कांग्रेस आदि अपने-अपने हिसाब से विपक्षी एका की रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव नहीं, लेकिन ममता बनर्जी और केंसीआर उसे साथ लिए बिना विपक्ष को एकजुट करना चाहते हैं।

अकेलेपन से जूझ रही दुनिया, विकास और उन्नति के ढोल के बावजूद अकेले हो रहे लोग

जापान के बारे में प्रायः ऐसे समाचार आते हैं कि वहां परिवार लगभग टूट गए हैं और बहुत से युवा परिवार नहीं बसाना चाहते। बड़ी संख्या में लड़के-लड़कियां विवाह के इच्छुक नहीं। कुछ साल पहले जापान में अकेलेपन की समस्या का समाधान करने के लिए एक मंत्रालय बनाया गया था। ब्रिटेन में भी ऐसा मंत्रालय बनाया गया

टूटने से ये आफतें आ रही हैं कि लोग अकेले होते जा रहे हैं। अमेरिका में परिवार की वापसी के नारे 1993 से लग रहे हैं। कोरोना के दौरान परिवार की जरूरत को बहुत महसूस किया गया, लेकिन पहले जिस संस्था को तमाम विमर्शों के द्वारा ध्वस्त किया गया, क्या उसकी वापसी इतनी आसान है? ध्यान से देखें तो परिवार के टूटने

था। वहां 2017 में काक्स कमीशन ने अपने अध्ययन में पाया था कि ब्रिटेन में 90 लाख के आसपास लोग अकेलेपन की समस्या से पीड़ित हैं। चीन की सरकार अब चाहती है कि दंपती तीन बच्चे पैदा करें, लेकिन लड़कियां बच्चे नहीं पैदा करना चाहती। वे कहती हैं कि क्या हम बच्चे पैदा करने की मशीनें हैं? जिस परिवार को इन दिनों शोषण का सबसे बड़ा कारण बताया जाता है, उसी परिवार के

का सबसे अधिक लाभ दुनिया भर के व्यवसायी वर्ग को हुआ है। यदि सब लोग इकट्ठे रहते हैं तो उनके खर्च भी कम होते हैं। एक घर, एक टीवी, एक कार से काम चल जाता है। जिम्मेदारियां बंटी होती हैं, इसलिए किसी एक पर इसका भार नहीं पड़ता। यह सच है कि परिवार में बहुत सी उलझनें भी होती हैं, लेकिन वे जतनी बड़ी नहीं, जितनी हम इन दिनों देख रहे हैं।

सिविल सेवा परीक्षा पर उठते प्रश्न, प्रारंभिक परीक्षा की गुणवत्ता की पहली सुलझाने का समय

इन दिनों संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से आयोजित की जाने वाली सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा हो रही है। यह 25 सितंबर तक चलने वाली है। यह परीक्षा तीन चरणों में होती है- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। इस अवसर पर यह स्मरण रखना आवश्यक है कि पिछले वर्ष की प्रारंभिक परीक्षा का कट आफ मार्क्स 43.77 प्रतिशत रहा था। ध्यान देने की बात यह है कि 2016 में यह 58 प्रतिशत था, जो क्रमशः गिरते-गिरते इस दयनीय दशा को प्राप्त कर चुका है। इस वर्ष इसमें और भी गिरावट आने की आशंका है। पांच जून को हुई प्रारंभिक परीक्षा यदि सामान्य रूप से हुई होती तो कोई बात नहीं थी, लेकिन इस बार की परीक्षा में जिस तरह के अनसुने, अनजाने और अनपढ़े प्रश्नों का ढेर लगा दिया गया, उसने परीक्षार्थियों को बेहद निराश किया। पूछे गए प्रश्नों को देखकर इन्हें समझ में ही नहीं आ रहा था कि वे अगले वर्ष की तैयारी कैसे करें? वे बुरी तरह भ्रमित हुए। प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम की घोषणा से पता चला कि लगभग एक हजार पदों के लिए करीब 13 हजार उम्मीदवारों का चयन होना था, जो हुआ, लेकिन परिणाम आने के बाद अफरातफरी इस बात को लेकर मची कि बड़े-बड़े दिग्गज धराशायी हो गए। यह स्थिति प्रारंभिक परीक्षा के बारे में कुछ मूलभूत एवं अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े करती है। पहला और सामान्य सा प्रश्न तो यही है कि क्या देश की इतनी प्रतिष्ठित उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा का इतना कम कट आफ मार्क्स आना सम्मानजनक है? यह हास्यास्पद बात है कि इसी परीक्षा के सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्न पत्र को मात्र खालीफाई करना पड़ता है, जो सीसेट के नाम से अधिक जाना जाता है और ऐसा करने के लिए 33 प्रतिशत अंक की जरूरत होती है। दूसरे प्रश्न के रूप में यह बात आती है कि क्या यह गिरावट इस

परीक्षा में बैठने वाले युवाओं के गिरते हुए शैक्षणिक एवं प्रतिभा के स्तर के कारण है? यदि ऐसा है, तब तो यह अत्यंत चिंताजनक है। कोई भी राष्ट्र चाहेगा कि उसके सवीच्य स्तरीय प्रशासन में देश की अच्छी से अच्छी प्रतिभाएं आएं। इसलिए इन सेवाओं को इतना आकर्षक एवं प्रतिष्ठापूर्ण बनाया जाता है। यदि हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो हमें अपनी प्रणाली पर पूरी गंभीरता से विचार करना होगा, लेकिन एक अच्छी बात यह है कि ऐसा है नहीं। इसके प्रमाण के तौर पर मुख्य परीक्षा के कट आफ मार्क्स को देखा जा सकता है, जिसे प्रतिभा का न्यूनतम 787 अंकों की जरूरत थी। यह पिछले वर्ष की परीक्षा में 745 (कुल अंक 1750) रही। 2016 में साक्षात्कार के अंकों को जोड़ने के बाद चयन के लिए न्यूनतम अंक थे-988, जो पिछले साल 944 रहे। विक्रम वेधा में नेगेटिव किरदार निम्नखुद का भी बिहाइंड द सीन्स वीडियो शेयर किया है, जिसने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। बॉलीवुड के ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन को स्क्रीन पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे फैंस के लिए अब हाल ही में एक्टर ने अपना बिहाइंड द सीन्स शेयर किया है। ऋतिक रोशन खतरनाक गैंगस्टर वेधा के रूप में

दमदार एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं, तो कभी वह वीडियो में मस्ती करते हुए डांस कर रहे हैं और अपनी टीम को बता रहे हैं ऐसा खतरनाक गैंगस्टर देखा है कभी। वीडियो को टिवटर पर शेयर करते ऋतिक रोशन ने कैप्शन में लिखा, 'वेधा का रुबावा' और सैफ अली खान स्टारर ये फिल्म तमिल फिल्म विक्रम वेधा का रीमेक है, जिसे हिंदी में भी सेम नेम के साथ रिलीज किया जा रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ऐश्वर्या राय की फिल्म इप-1 से 30 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में टकराएगी। साक्षात्कार 275 अंकों का होता है।

इन दोनों पर पड़ता। आखिर प्रारंभिक परीक्षा के अंकों में इतनी कमी क्यों है? इसका उत्तर बहुत साफ है और वह यह कि पिछले कुछ वर्षों से सामान्य अध्ययन के रूप में जिस तरह के उल्टे-पुलटे और कठिन प्रश्न पूछे जा रहे हैं, वे सामान्य न होकर विशेष से भी विशेष हो गए हैं। उदाहरण के रूप में इस वर्ष 2018 में अफ्रीका की एक शरणार्थी बस्ती बीडीबीडी के बारे में पूछा गया। जिन चार ग्रंथों में से जैन ग्रंथों का चयन करना था, उनके नाम थे- नेतियकरण, परिशिष्टपर्वन, अवदानशतक और त्रिशिष्टलक्षण महापुराण। चाड,

कुलाह-दान कहलाते हैं? चाय बोर्ड के विदेश में कहा-कहां कार्यालय है? प्रभाजी कक्षीय बमबारी प्रणाली क्या है? ऐसे अनेक प्रश्न हैं। यह पाया गया है कि इस बार के कुल सौ प्रश्नों में लगभग 55 प्रश्न-अत्यंत कठिन श्रेणी के हैं। बहुत से प्रश्न-तो ऐसे हैं कि उनके उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों के समूहों से भी सही उत्तर तक पहुंचने का कोई सूत्र नहीं मिलता। अधिकांश पूछे गए तथ्य भी ऐसे होते हैं कि उनका ज्ञान या सिविल सेवा के करियर से कोई संबंधता नहीं होती। प्रारंभिक परीक्षा के साथ एक दिक्कत यह भी है कि न तो इसका पाठ्यक्रम बहुत स्पष्ट है, और न ही इसके ज्ञान का स्तर। हालांकि यूपीएससी ने मुख्य परीक्षा के लिए इन दोनों का स्पष्ट प्रविधान किया हुआ है, लेकिन इस प्रारंभिक परीक्षा के लिए नहीं। यदि हम व्यावहारिक रूप में मुख्य परीक्षा के निर्देशों को प्रारंभिक परीक्षा के लिए मानकर चलें तो फिलहाल वह सुसंगत नहीं दिख रहा है। मुख्य परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में आयोग ने कहा है कि 'प्रश्न-ऐसे होंगे कि कोई भी सुशिक्षित व्यक्ति बिना किसी विशेष अध्ययन के इनका उत्तर दे सके।' सामान्य अध्ययन का सामान्य और एकमात्र अर्थ भी यही होता है, लेकिन प्रारंभिक परीक्षा में यह बात दिखाई नहीं देती। यही कारण है कि इसमें अंकों का प्रतिशत लगातार कम होता जा रहा है। जबकि मुख्य परीक्षा के अंतिम परिणाम के अंकों में एक प्रकार की स्थिरता बनी हुई है, सिवाय 2013 की मुख्य परीक्षा के। यूपीएससी को चाहिए कि वह इस स्थिति पर पूरी संवेदनशीलता के साथ विचार करके इसे प्रतियोगियों के स्तर के अनुकूल बनाए, ताकि एक तार्किक एवं व्यवस्थित रूप से उनका मानसिक परीक्षण हो सके। वर्तमान के 'बौद्धिक अन्याय' को उसे दूर करना ही चाहिए।



संपूर्ण एवं वास्तविक परीक्षण करने वाली परीक्षा माना जाता है। 2016 में साक्षात्कार में जाने के लिए कैसे खुद को ढाला, ये पूरी जर्नी शेयर की है। बिहाइंड द सीन्स वीडियो में ऋतिक रोशन कभी ये आंकड़े बताते हैं कि यदि प्रतिभा में गिरावट आई होती तो उसका प्रभाव मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार, गिनी, लेबनान और ट्यूनीशिया की घटनाओं पर प्रश्न था। मध्यकालीन भारत से एक प्रश्न था कि कौन

विकसित राष्ट्र बनने का सरल उपाय यूनिकार्न निभाएंगे निर्णायक भूमिका

सफलता और गौरव की यात्रा बड़े स्रोत से ही आरंभ होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प पूर्ति के लिए अर्थव्यवस्था को 20 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर के स्तर पर ले जाना होगा। यानी आर्थिकी को मौजूदा दायरे से करीब छह गुना बढ़ाना होगा। वास्तव में, किसी भी देश की जोरदार आर्थिक वृद्धि जनसांख्यिकीय वितरण, राजनीतिक स्थिरता, वैश्विक सहयोग और आर्थिक प्राथमिकताओं पर निर्भर होती है। व्यापक अर्थों में आर्थिक वृद्धि के दो प्रमुख स्रोत होते हैं। एक कामकाजी आबादी के आकार में वृद्धि और दूसरा उत्पादकता में बढ़ोतरी। वही भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यमिता आर्थिक वृद्धि के चार पहलू हैं। श्रम संकेत यही है कि प्रधानमंत्री ने उक्त उद्योगों का एक ऐसे समय में की है जब भारत के संदर्भ में सभी पहलू सकारात्मक दिखते हैं। भारत एक उद्यमी समाज है और हाल के दौर में राष्ट्रीय नीतियां एवं कार्यक्रम भी अर्थव्यवस्था पर शीर्ष स्तरीय नियंत्रण से निजी क्षेत्र प्रवर्तित आर्थिक वृद्धि की ओर केंद्रित हुए हैं। फिर भी, 25 वर्षों में छह गुना वृद्धि के लिए बड़े स्तर पर उद्यमियों के उभार की आवश्यकता होगी। यह चमत्कारिक कारोबारी सफलता गाथाओं से ही संभव है। इस मोर्चे पर यूनिकार्न (सौ अरब डालर मूल्यांकन वाली कंपनियां) प्रेरणा पुंज की भूमिका निभा सकती है। देश के कोने-कोने में यूनिकार्न का फैलाव उद्यमियों की बड़ी खेप तैयार करेगा। ऐसे में 10,000 यूनिकार्न बनाए जाने का लक्ष्य तय किया जाए। यह मुश्किल अवश्य है, किंतु असंभव नहीं। इस वर्ष जुलाई के पहले पखवाड़े तक देश में यूनिकार्न की संख्या 105 तक पहुंच गई थी। भारत के प्रत्येक राज्य और

केंद्रशासित प्रदेश को अगले 25 वर्षों में यूनिकार्न स्थापित करने में उत्प्रेरक-सहायक बनने की दिशा में तत्पर होना जाना चाहिए। जिलेवार योजना बनाएं और वार्षिक स्तर पर उनके लिए भिन्न-भिन्न लक्ष्य तय करें। राज्य अपनी ताकत की है। मेरा मानना है कि किसी भी क्षेत्र में यूनिकार्न बनाई जा सकती है। यूनिकार्न क्रांति चार अनुकूल पहलुओं-व्यक्तियों, तकनीक, पूंजी और बुनियादी ढांचा से संचालित होगी। आकांक्षी पुरुष-महिलाएं, मार्गदर्शक और इनक्यूबेटर (नए

दूसरा पहलू तकनीक का है, जिसमें हार्डवेयर, डाटा सहित संसाधन साझेदारी और नवाचार सुगमता जैसे बिंदु शामिल हैं। बंगलुरु में यूनिकार्न के बड़े जमावड़े के पीछे तकनीकी सहयोग एक महत्वपूर्ण कारक है। वस्तुतः तकनीक एक

में पैसे लगाकर स्थापित उद्योगों की वृद्धि में कहीं ज्यादा तत्पर है। इससे नए विचारों के कारोबारी रुपांतरण की राह में पूंजी की किल्लत हो गई है। इसी आवश्यकता को भांपते हुए भारत सरकार ने कुछ इनक्यूबेशन केंद्रों को वित्तीय

यूनिकार्न बनने की राह में ऐसी मदद अपर्याप्त ही कही जाएगी। सिडबी की पहुंच और क्षमताएं भी सीमित हैं। ऐसे में देश के प्रत्येक जिले तक इससे जुड़े संस्थागत ढांचे का समग्रता में विस्तार करना होगा। वित्तपोषण की प्रकिया और मानसिकता पूरी तरह बदलनी होगी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्र सरकार के प्रयासों के साथ ताल मिलानी होगी। उन्हें बड़े स्तर पर जोखिम पूंजी में साझेदार बनना होगा। उज्ज्वल तक बुनियादी ढांचे की बात है तो उसके तीन घटक हैं, भौतिक स्थापना, कनेक्टिविटी और सहयोगी सेवाएं जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और मनोरंजन इत्यादि। उद्यमी सुसंगठित, स्वच्छ और बेहतर सुविधाओं वाले शहरों में रहने के आकांक्षी हैं। सभी मौजूदा भारतीय शहर भीड़भाड़ से भरे हैं। वहां रहने के लिए परिवेश भी उतना सहज नहीं है। इसलिए बेहतर होगा कि एक्सप्रेसवे के आसपास अत्याधुनिक सुविधाओं वाली टाउनशिप विकसित की जाएं। इससे महानगरों और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों तक उनकी पहुंच भी आसान होगी। साथ ही ये नई टाउनशिप तीन प्रकार से मददगार होंगी। इनसे शहरों पर भीड़भाड़ का बोझ घटेगा। आधुनिक पर्यावास का सृजन विकसित देश का प्रतीक होगा और ये सतत आर्थिक वृद्धि में सहायक होंगी। हालांकि ऐसी परियोजनाओं से पहले सभी सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को सुलझाना बहुत आवश्यक होगा, क्योंकि आंध्र प्रदेश की प्रस्तावित राजधानी अमरावती का उदाहरण हमारे सामने है। ऐसे उपायों के साथ-साथ योजनाओं का समग्रतापूर्ण नियोजन और समयबद्ध क्रियान्वयन रोजगार सृजन, असमानता घटाने, समृद्धि विस्तार करने और भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सफल होगा।



के आधार पर क्षेत्रों को चिह्नित करें। इसके पहले बिंदु में शामिल हैं। सहयोगी सेवा प्रदाताओं में वकील, अकाउंटेंट, आडिटर, निवेश बैंकर, लाजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले और मानव संसाधन जुटाने में कुशल पेशेवर आते हैं। उद्योग संस्थाओं और राज्य को लोगों से जुड़ी इस कड़ी को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना होगा।

मजबूत जन स्तंभ की ओर उन्मुख करती है। पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता किसी भी उपक्रम की सफलता के मूल में होती है। चूंकि किसी नए प्रयास में सफलता की सीमित गुंजाइश को देखते हुए नए विचार को वित्तीय आधार मिलने में हमेशा हिचक देखने को मिलती है। पिछले कुछ समय से यही दिखा है कि एंजेल निवेशक शेयर बाजार

संसाधन आवंटित किए हैं। साथ ही सिडबी के माध्यम से वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। अब कोई दो साल से कम पुराना स्टार्टअप 20 लाख रुपये का सीमित गुंजाइश को देखते हुए नए विचार को वित्तीय आधार मिलने में हमेशा हिचक देखने को मिलती है। पिछले कुछ समय से यही दिखा है कि एंजेल निवेशक शेयर बाजार

संसाधन आवंटित किए हैं। साथ ही सिडबी के माध्यम से वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था की जा रही है। अब कोई दो साल से कम पुराना स्टार्टअप 20 लाख रुपये का सीमित गुंजाइश को देखते हुए नए विचार को वित्तीय आधार मिलने में हमेशा हिचक देखने को मिलती है। पिछले कुछ समय से यही दिखा है कि एंजेल निवेशक शेयर बाजार

